भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 1976
दिनांक 06 अगस्त, 2025 के लिए प्रश्न

पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम

1976. श्री दोरजी त्शेरिंग लेप्चाः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या संशोधित पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) ने लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) जैसी प्रमुख पशुधन बीमारियों के प्रसार को प्रभावी रूप से कम किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के बावजूद सिक्किम में विगत तीन वर्षों के दौरान रिपोर्ट की गई बीमारियों के प्रकोप का ब्यौरा क्या है;

(ग) इस कार्यक्रम के तहत पशु चिकित्सा टीकों की गुणवत्ता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या सिक्किम में, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, पशु चिकित्सा अधिकारियों, पशु चिकित्सा अस्पतालों, औषधालयों और मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों की कमी है; और

(ङ) देश में वर्तमान पशु चिकित्सक-पशुधन अनुपात क्या है और क्या यह अनुपात संस्तुत मानकों को पूरा करता है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस.पी. सिंह बघेल)

(क) पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) के अंतर्गत टीकाकरण कार्यक्रम के कार्यान्वयन ने खुरपका और मुंहपका रोग (FMD), ब्रुसेलोसिस और लंपी त्वचा रोग (LSD) जैसे पशुधन रोगों के प्रसार को प्रभावी रूप से कम किया है। सीरो-मॉनिटरिंग द्वारा इंगित प्रतिरक्षात्मक अनुमापांक (protective titres) में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है। सीरो -सर्विलांस मान भी घटती प्रवृत्ति दिखा रहे हैं जो टीकाकरण कार्यक्रम की प्रभावशीलता को दर्शाता है। एफएमडी के प्रकोपों की संख्या वर्ष 2019 में 132 से घटकर वर्ष 2024 में 93 हो गई है। वर्ष 2025 के दौरान, जून तक एफएमडी (FMD) के केवल 6 प्रकोपों की सूचना मिली है। इसी प्रकार, ब्रुसेलोसिस का प्रकोप वर्ष 2019 में 20 से घटकर वर्ष 2024 में 5 हो गया। एलएसडी की घटनाएं वर्तमान में केवल महाराष्ट्र में सक्रिय बताई गई हैं । कुल मिलाकर रोग की घटना छिटपुट प्रकृति की है।

(ख) सिक्किम में पिछले तीन वर्षों के दौरान पशुधन रोगों के प्रकोपों की सूचना का विवरण अनुबंध-1 में दिया गया है।

(ग) एलएचडीसीपी (LHDCP) के तहत पशुचिकित्सा टीकों की गुणवत्ता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों की रूपरेखा निम्नानुसार है;

i. एलएचडीसीपी योजना के अंतर्गत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को खुरपका-मुंहपका रोग (FMD), ब्रुसेलोसिस, पेस्ट डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स (PPR) और क्लासिकल स्वाइन फीवर (CSF) के लिए टीकाकरण हेतु 100% केंद्रीय सहायता दी जाती है।
ii. गुणवत्तापूर्ण टीकों की खरीद केंद्रीय स्तर पर की जाती है तथा एलएचडीसीपी (LHDCP) योजना से प्राप्त निधियों का उपयोग करके कोल्ड चेन अवसंरचना को सुदृढ़ किया जाता है।
iii. टीकों की आपूर्ति और उपयोग की नियमित रूप से निगरानी की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि टीकों की कोई कमी न हो।
iv. पशु रोग नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता (ASCAD) के अंतर्गत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र को निदान के लिए क्रमशः रोग निदान प्रयोगशालाओं और जैविक उत्पादन इकाइयों (BPU) को सुदृढ़ करने तथा निदान किटों/टीकों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए सहायता प्रदान की जाती है।
v. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR)-राष्ट्रीय खुरपका और मुंहपका रोग संस्थान (NIFMD))-भुवनेश्वर, भाकृअनुप-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI))-बरेली, आईसीएआर-आईवीआरआई-बेंगलुरु, भाकृअनुप-राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान (NIVEDI)-बेंगलुरु और चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य संस्थान- बागपत को भी निर्धारित प्रोटोकॉल/भारतीय फार्माकोपिया 2018 के अनुसार टीकों के गुणवत्ता परीक्षण सहित टीका संबंधी कार्यकलापों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

(घ) और (ड़) पशुपालन राज्य का विषय है, और पशु चिकित्सा सुविधाओं की स्थापना तथा मानव संसाधन की भर्ती, संबंधित राज्य के अधिकार क्षेत्र में आता है। सिक्किम राज्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत 84 पदों के सापेक्ष 50 पशुचिकित्सा अधिकारी कार्यरत हैं। हाल ही में, राज्य ने रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु पशुचिकित्सा अधिकारियों के 55 पदों की अधिसूचना जारी की है। किसानों के द्वार पर पशुचिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए सिक्किम में एलएचडीसीपी के अंतर्गत छह एमवीयू कार्यरत हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय कृषि आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्येक 5000 गोपशु इकाइयों पर कम से कम एक पशुचिकित्सक होना चाहिए। भारतीय पशुचिकित्सा व्यवसायी रजिस्टर (दिनांक 31.02.2024) के अनुसार पशुचिकित्सकों की संख्या 87914 है। पिछली संगणना (20$^{वीं}$ पशुधन संगणना) के अनुसार देश में पशुधन की संख्या लगभग 53.7 करोड़ है। इसलिए, पशुधन और पशुचिकित्सकों का अनुपात लगभग 6108:1 है।

अनुबंध 1

सिक्किम में पिछले तीन वर्षों के दौरान पशुधन रोगों के प्रकोप की सूचना का विवरण				
क्रम सं.	**रोग**	**प्रकोप की संख्या**		
		वर्ष 2022	**वर्ष 2023**	**वर्ष 2024**
1	एफएमडी	0	0	3
2	एचएस	1	0	0
3	एलएसडी	0	20	10

*****